

Krishna Nand P. III H. 1's ①
 = Sampling (continue)

(cluster sample) कहा जाता है।
 मुख्य प्रतिचयन में आधिकारिक प्रति-
 निधित्व का गुण भा विविधता जाई जाती
 है। साश-ही-साश इससे समग्र, प्रम एवं डान
 की गन्तव्य होती है। अर्थात् यह प्रतिचयन
 काफी मितव्ययी होता है।

(iv) बहु-पक्ष प्रतिचयन (Multi-stage sampling)
 इस प्रविधि में प्रतिचयन
 के लिए सबसे पहले पूरी जनसंख्या
 की सभी इकाइयों से एक प्राथमिक प्रतिदर्श
 का निर्माण किया जाता है। फिर इस चरण
 का द्वितीयक भा अथवा इकाइयों (Secondary
 units) का निर्माण किया जाता है।
 इसी क्रम में, अन्त में जाकर अन्तिम इकाइयों
 वाला तथा निश्चित गुण एवं विविधताओं
 वाला एक प्रतिनिधि प्रतिदर्श का चुनाव
 किया जाता है।

(v) क्रमबद्ध प्रतिचयन (Systematic Sampling)
 इस तकनीक द्वारा प्रतिदर्श निर्माण
 के लिए पहले पूरी जनसंख्या का किसी
 पुनः से गोजना कक्ष करना आवश्यक होता
 है। इसमें पहले प्रतिदर्श के आकार
 और जनसंख्या के आकार का एक
 अनुपात निर्धारित किया जाता है। पुनः
 जनसंख्या में सांख्यिक रूप से
 इकाइयों की पहचान की जाती है।
 इस प्रकार प्रत्येक जनसंख्या अनुपात के
 क्रम में अनुपात की संख्या में से प्रतिदर्श

Krishna Hand B.A III Arts (2)
I Sampling (continue)

(B) असंगत प्रतिचयन या प्रतिदर्शन (Non-probability sampling) —

असंगत प्रतिचयन में शोधकर्ता को अपनी स्वयं-वृत्त तथा विवेक से जनसंख्या से एक प्रतिनिधि प्रतिदर्श चुनना पड़ता है। इस प्रतिचयन में संभाव्य प्रतिचयन (probability sampling) के नियमों का पालन करने की आवश्यकता नहीं होती है। इसमें मात्र शोध प्रयोजन को ध्यान में रखना आवश्यक होता है।

असंगत प्रतिचयन के प्रमुख प्रकार —
Major types of non-probability sampling

असंगत प्रतिचयन के निम्नलिखित प्रमुख प्रकारों को मनोसिद्धि निर्धारण द्वारा देखा किन किया गया है।

(1) सौक्ष्म प्रतिचयन (purposive sampling)

सौक्ष्म प्रतिचयन एक एक शरण एवं संगत प्रतिदर्शन प्रविधि है। इस प्रविधि में शोधकर्ता अपनी असंगत के अनुरूप पूरी जनसंख्या से किसी विशिष्ट वर्ग या स्तर की इकाइयों का चयन करते हैं। उदाहरणस्वरूप — माना कि किसी शैक्षणिक या शोधकर्ता का प्राथमिक एवं दूसरी विद्यार्थियों के समागम के अध्ययन के लिए किसी एक विद्यालय के दरवाजे धर में पढ़ने वाले १५-२५ प्राथमिक तथा दूसरी परिस्थितियों से आने वाले कुल

Keystone Hand & Foot Hold (3)

(1) Sampling (continued)

उपरोक्त का एक प्रतिदर्श (sample) प्राप्त किया गया है। इस प्रकार के प्रतिदर्श चयन की प्रक्रिया को सैंपलिंग प्रक्रिया (sampling process) कहते हैं।

इस प्रतिचयन में चयनन एवं संग्रहण का गुण प्राप्त होता है परन्तु सैंपलिंग प्रक्रिया का एक बड़ा दोष यह है कि यह चयन जन संख्या का प्रतिनिधित्व नहीं कर पाता है।

(ii) आकस्मिक प्रविचयन (Accidental Sampling) आकस्मिक प्रविचयन एक ऐसा असांभालित प्रविचयन (unplanned sampling) प्रणाली है जिसमें अद्ययन के अनन्तर सम्पूर्ण जन संख्या में से जो भी हकाने आसानी से उपलब्ध हो जाती है, उसका चयन शोधकर्ता द्वारा करके प्रतिदर्श का निर्माण कर लिया जाता है। इसके लिए किसी पूर्व निर्धारित योजना की आवश्यकता नहीं होती है।

समाजशास्त्र में शोधकर्ता अपने अद्ययन की सुविधा का इस्तेमाल नहीं करके बहुत सा काल के उपरोक्त के प्रविचयन के रूप में चयन कर लेते हैं। यह आकस्मिक प्रविचयन की श्रेणी में आता है।

आकस्मिक प्रविचयन का एक बहुत